दो दिवसीय पूर्णकालिक आंचलिक हिंदी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन
- एक रिपोर्ट -

संघ सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालनार्थ और अपने मुख्यालय के दिशा-निर्देश में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति देने के क्रम में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में दिनांक 13-14 मार्च, 2023 को दो दिवसीय पूर्णकालिक आंचलिक हिंदी कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । यह कार्यशाला, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्वी अंचल में स्थित निगम कार्यालयों में तैनात अधिकारियों (सहायक / उप / संयुक्त निदेशकों) के लिए आयोजित की गई थी जिसमें कुल 15 अधिकारियों ने भाग लिया ।

कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन पंचदीप प्रज्वलन से किया गया और इसके बाद अतिथियों का फुलाम गमछा देकर स्वागत किया गया । कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन करते हुए **श्री आर. एल. गुइटे, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)** ने अपने संबोधन भाषण में कहा कि वैसे तो प्रत्येक तिमाही में इस कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है लेकिन यह दो दिवसीय कार्यशाला इस अर्थ में विशिष्ट है की इसमें निगम के पूर्वी अंचल के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों / उप क्षेत्रीय कार्यालयों और अस्पतालों के अधिकारी वर्ग के प्रतिभागियों को शामिल किया गया है । कार्यशाला में विभिन्न विषयों की जानकारी के साथ भरपूर अभ्यास भी कराया जाता है जिससे अधिकारियों को हिंदी में काम करने में जो झिझक होती है, वह दूर होती है और साथ-ही-साथ उनमें हिंदी में काम करने की गतिशीलता को भी बढ़ावा मिलता है ।

प्रथम दिन के पहले सत्र में अतिथि व्याख्याता के रूप में डॉ. मोहन कोइराला, सहायक निदेशक(सेवानिवृत्त), ब्रह्मपुत्र बोर्ड, गुवाहाटी उपस्थित थें । उन्होंने सभी प्रतिभागियों को **संघ की राजभाषा नीति और उसका कारगर कार्यान्वयन** पर पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी । साथ-ही-साथ, उन्होंने **राजभाषा कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग करने वाले विभिन्न समितियों** का भी संक्षिप्त परिचय दिया । द्वितीय सत्र में श्री कोमल सिंह, उप निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना**,** गुवाहाटी ने **देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानक वर्तनी** का अभ्यास कराया । तृतीय सत्र में मुख्यालय से पधारे श्री सूर्य प्रकाश, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) विभागीय व्याख्याता के रूप में उपस्थित थें । उन्होंने **लेखा परीक्षा एवं बिलों के भुगतान से संबंधित शब्दावलियों, वाक्यांशों, टिप्पणियों आदि** का भरपूर अभ्यास कराया और साथ-ही, **संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली में दिए गए निर्देशों** को भी विस्तारपूर्वक बतलाया।

.....जारी

कार्यशाला के द्वितीय दिन के पहले सत्र में, श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी विभागीय व्याख्याता के रूप में उपस्थित रहें । उन्होंने **प्रतिभागियों को सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी एवं राजभाषा कार्यालय कार्यान्वयन में सहायक पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा वेबसाइट** आदि की भरपूर जानकारी दी और सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया । पुनः विभागीय व्याख्याता, श्री सूर्य प्रकाश, (संयुक्त निदेशक) राजभाषा ने **तिमाही बैठक, तिमाही रिपोर्ट, वार्षिक कार्यक्रम, जांच बिंदु** आदि पर सारगर्भित चर्चा की इसके साथ ही साथ उन्होंने **बीमा शाखाओं में हिंदी का प्रयोग शब्दावली, वाक्यांशों, टिप्पणियों आदि** का भरपूर अभ्यास कराया । दूसरे सत्र में, डॉ. गोलोक चंद्र डेका, एसोसिएट प्रोफेसर, (हिन्दी विभाग), गुवाहाटी कॉलेज, गुवाहाटी उपस्थित रहें । उन्होंने प्रतिभागियों को **प्रयोजनमूलक हिंदी एवं हिंदी की व्याकरणगत अशुद्धियों** आदि पर व्याख्यान दिया । दूसरे दिन के अंतिम सत्र में श्री बदरी यादव, उपनिदेशक (कार्यान्वयन) व कार्यालय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुवाहाटी उपस्थित थें जिन्होंने प्रतिभागियों को **कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की आम समस्या और समाधान** पर चर्चा की और प्रतिभागियों को विशिष्ट जानकारी दी ।

कार्यशाला के अंत में, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। श्री बिजीत पेगु, प्रभारी राजभाषा अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा **धन्यवाद ज्ञापन** के बाद कार्यशाला का समापन हुआ । दो दिवसीय आंचलिक हिंदी कार्यशाला का संपूर्ण संचालन व संयोजन श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा किया गया ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने किया हिंदी कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन

गुवाहाटी, 21 मार्च (एसं)। संघ सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालनार्थ और अपने मुख्यालय के दिशा-निर्देश में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति देने के क्रम में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में दिनांक 13-14 मार्च, 2023 को दो दिवसीय पूर्णकालिक आंचलिक हिंदी कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यशाला, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्वी अंचल में स्थित निगम कार्यालयों में तैनात अधिकारियों (सहायक / उप / संयुक्त निदेशकों) के लिए आयोजित की गई थी जिसमें कुल 15 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन पंचदीप प्रज्वलन से किया गया और इसके बाद अतिथियों का फुलाम गामोछा देकर स्वागत किया गया। कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन करते हुए आर. एल.गुइटे, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) ने अपने संबोधन भाषण में कहा कि वैसे तो प्रत्येक तिमाही में इस कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है लेकिन यह दो दिवसीय कार्यशाला इस अर्थ में विशिष्ट है की इसमें निगम के पूर्वी अंचल के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों/ उप क्षेत्रीय कार्यालयों और अस्पतालों के अधिकारी वर्ग के प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। कार्यशाला में विभिन्न विषयों की जानकारी के साथ भरपूर अभ्यास भी कराया जाता है जिससे अधिकारियों को हिंदी में काम करने में जो झिझक होती है, वह दूर होती है और साथ-ही-साथ उनमें हिंदी में काम करने की गतिशीलता को भी बढ़ावा मिलता है। प्रथम दिन के पहले सत्र में अतिथि व्याख्याता के रूप में डॉ. मोहन कोइराला, सहायक निदेशक(सेवानिवृत्त), ब्रह्मपुत्र बोर्ड, गुवाहाटी उपस्थित थें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संघ की राजभाषा नीति और उसका कारगर कार्यान्वयन पर पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। साथ-ही-साथ, उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग करने वाले विभिन्न समितियों का भी संक्षिप्त परिचय दिया। द्वितीय सत्र में कोमल सिंह, उपनिदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गुवाहाटी ने देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानक वर्तनी का अभ्यास कराया। तृतीय सत्र में मुख्यालय से पधारे सूर्य प्रकाश, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) विभागीय व्याख्याता के रूप में उपस्थित थें। उन्होंने लेखा परीक्षा एवं बिलों के भुगतान से संबंधित शब्दावलियों, वाक्यांशों, टिप्पणियों आदि का भरपूर अभ्यास कराया और साथ-ही,संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली में दिए गए निर्देशों को भी विस्तारपूर्वक बतलाया। कार्यशाला के द्वितीय दिन के पहले सत्र में, मनोज कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी विभागीय व्याख्याता के रूप में उपस्थित रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी एवं राजभाषा कार्यालय कार्यान्वयन में सहायक पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा वेबसाइट आदि की भरपूर जानकारी दी और सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। पुन: विभागीय व्याख्याता, सूर्य प्रकाश,(संयुक्त निदेशक) राजभाषा ने तिमाही बैठक, तिमाही रिपोर्ट, वार्षिक कार्यक्रम, जांच बिंदु आदि पर सारगर्भित चर्चा की इसके साथ ही साथ उन्होंने बीमा शाखाओं में हिंदी का प्रयोग शब्दावली, वाक्यांशों, टिप्पणियों आदि का भरपूर अभ्यास कराया। दूसरे सत्र में, डॉ. गोलोक चंद्र डेका, एसोसिएट प्रोफेसर, (हिन्दी विभाग), गुवाहाटी कॉलेज, गुवाहाटी उपस्थित रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रयोजनमूलक हिंदी एवं हिंदी की व्याकरणगत अशुद्धियों आदि पर व्याख्यान दिया। दूसरे दिन के अंतिम सत्र में बदरी यादव, उपनिदेशक (कार्यान्वयन) व कार्यालय प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, राजभाषा विभाग, पूर्वोत्तर क्षेत्र, गुवाहाटी उपस्थित थें जिन्होंने प्रतिभागियों को कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की आम समस्या और समाधान पर चर्चा की और प्रतिभागियों को विशिष्ट जानकारी दी। कार्यशाला के अंत में, सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। बिजीत पेगु, प्रभारी राजभाषा अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद कार्यशाला का समापन हुआ। दो दिवसीय आंचलिक हिंदी कार्यशाला का संपूर्ण संचालन व संयोजन मनोज कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी द्वारा किया गया।

सेंटिनल - 22.3.2023

चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर कई और खेल, हंसी खुशी, झूले, सेल्फी आदि मनोरंजन भरे पल के पश्चात विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम को सफल बनाने में गणगौर महिला समिति की सदस्य चंद्रकांता घोड़ावत, लक्ष्मी देवी भूरा, प्रियंका बुच्चा, वीना चोरड़िया, संतोष गोलछा, विनीता कुंडलिया, विशाखा कुंडलिया, स्नेहलता, मीनाक्षी सिंघी, रोशनी चोरड़िया, पूजा पुंगलिया, सरोज चोपड़ा, पिंकी जम्मड़, मंजू पटवा, रेखा सरावगी, शशि भंसाली, कमला बड़ानी, सरोज बड़ानी, सरिता सुराणा की भूमिका सराहणीय रही।

पारीक महिला परिषद : पारीक महिला परिषद गुवाहाटी, द्वारा गणगौर का सिंजारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें परिषद की कार्यकारिणी सहित समाज की सौ से अधिक संख्या में महिलाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष विनीता पारीक, सचिव निशा पारीक, वरिष्ठ सदस्य गोपी पारीक, राजकुमारी देवी एवं परिषद की सदस्याओं द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। परिषद की अध्यक्ष विनिता पारीक ने स्वागत भाषण देते हुए सभी के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। पूनम पारीक, कौशल्या व्यास एव राजू पारीक ने गणगौर गीत और संध्या पारीक ने गणेश वंदना से सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत की। मंच संचालक निशा पारीक (बोबी) और पूजा जोशी के साथ दीपिका जोशी और ज्योति पुरोहित ने उपस्थित सदस्याओं के मध्य आकर्षक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सोलह श्रृंगार एवं सर्वश्रेष्ठ वेश भूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडली में कला पुरोहित, डॉ. ममता मिश्रा और मंजुलता शर्मा शामिल थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजन समिति की नमिता पारीक, भगवती, विनीता (टिना), वंदना, प्रीति शेफाली पारीक और जया पारीक का सक्रिय योगदान रहा।

दो दिवसीय पूर्णकालिक आंचलिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी, 21 मार्च (ख.सं.)। संघ सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालनार्थ और अपने मुख्यालय के दिशा-निर्देश में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को गति देने के क्रम में क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी में 13-14 मार्च को दो दिवसीय पूर्णकालिक आंचलिक हिंदी कार्यशाला सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह कार्यशाला, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के पूर्वी अंचल में स्थित निगम कार्यालयों में तैनात अधिकारियों के लिए आयोजित की गयी थी, जिसमें कुल 15 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन पंचदीप प्रज्वलन से किया गया और इसके बाद अतिथियों का फूलाम गामोछा से स्वागत किया गया। कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन करते हुए आरएल गुइटे, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) ने अपने संबोधन भाषण में कहा कि वैसे तो प्रत्येक तिमाही में इस कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का नियमित रूप से आयोजन किया जा रहा है, लेकिन यह दो दिवसीय कार्यशाला इस अर्थ में विशिष्ट है की इसमें निगम के पूर्वी अंचल के विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों / उप क्षेत्रीय कार्यालयों और अस्पतालों के अधिकारी वर्ग के प्रतिभागियों को शामिल किया गया है। कार्यशाला में विभिन्न विषयों की जानकारी के साथ भरपूर अभ्यास भी कराया जाता है जिससे अधिकारियों को हिंदी में काम करने में जो झिझक होती है, वह दूर होती है और साथ-ही-साथ उनमें हिंदी में काम करने की गतिशीलता को भी बढ़ावा मिलता है। प्रथम दिन के पहले सत्र में अतिथि व्याख्याता के रूप में डॉ. मोहन कोइराला, सहायक निदेशक(सेवानिवृत्त), ब्रह्मपुत्र बोर्ड, गुवाहाटी उपस्थित थे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को संघ की राजभाषा नीति और उसका कारगर कार्यान्वयन पर पीपीटी के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। साथ-ही-साथ उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन की मॉनिटरिंग करने वाले विभिन्न समितियों का भी संक्षिप्त परिचय दिया। द्वितीय सत्र में कोमल सिंह, उप निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, गुवाहाटी ने देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं मानक वर्तनी का अभ्यास कराया। तृतीय सत्र में मुख्यालय से पधारे सूर्य प्रकाश, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) विभागीय व्याख्याता के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने लेखा परीक्षा एवं बिलों के भुगतान से संबंधित शब्दावलियों, वाक्यांशों, टिप्पणियों आदि का भरपूर अभ्यास कराया और साथ-ही, संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली में दिये गये निर्देशों को भी विस्तारपूर्वक बताया। कार्यशाला के द्वितीय दिन के पहले सत्र में, श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी विभागीय व्याख्याता के रूप में उपस्थित रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी एवं राजभाषा कार्यालय कार्यान्वयन में सहायक पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा वेबसाइट आदि की भरपूर जानकारी दी और सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। पुनः विभागीय व्याख्याता, सूर्य प्रकाश, (संयुक्त निदेशक) राजभाषा ने तिमाही बैठक, तिमाही रिपोर्ट, वार्षिक कार्यक्रम, जांच बिंदु आदि पर सारगर्भित चर्चा की। इसके साथ ही साथ उन्होंने बीमा शाखाओं में हिंदी का प्रयोग शब्दावली, वाक्यांशों, टिप्पणियों आदि का भरपूर अभ्यास कराया। दूसरे सत्र में, डॉ. गोलोक चंद्र डेका, एसोसिएट प्रोफेसर, (हिंदी विभाग), गुवाहाटी कॉलेज, गुवाहाटी उपस्थित रहें। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रयोजनमूलक हिंदी एवं हिंदी की व्याकरणगत अशुद्धियों आदि पर व्याख्यान दिया।

Page 3

प्रात: खबर - 22.3.2023

आंचलिक कार्यशाला के कुछ फोटोग्राफ